L–1754

B. A. M. S. (Third Prof.) AYURVEDA EXAMINATION, 2011

कौमार भृत्य–II (बालरोग)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट—सभी प्रश्न हल कीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. जन्मजात व्याधियों का उल्लेख करते हुए जल शीर्षक एवं मस्तु लुंगक्षय का वर्णन कीजिए। 10

2. बालातिसार का वर्णन करते हुए जलाल्पता Dehydration का निर्धारण कैसे करेंगे ? उल्लेख करते हुए चिकित्सा व्यवस्था लिखें। 10

3. बालक के व्याधिक्षमत्व तथा उसके प्रयोजन का विस्तार से वर्णन कीजिए। 10

4. नवजात शिशु में होने वाले प्राकृतिक कामला Physiological Jaundice एवं विकृत कामला Pathological Jaundice में भेद बताते हुए कारण, निदान एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 10

P. T. O.

5. निम्न रोगों के निदान एवं लक्षण दें— 10

(i) शैय्या मूत्रता।

(ii) मुख मण्डिका।

(iii) अपस्मार।

(iv) कृमि रोग।

M – 1609

B.A.M.S. (Third Prof.) AYURVEDA EXAMINATION, 2012

कौमार भृत्य—II (बालरोग)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट—सभी प्रश्न हल कीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. बीज दोषज फिरंग और राजयक्ष्मा रोग का लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 10

2. शिशुओं में होने वाले निम्नांकित रोगों पर टिप्पणियाँ लिखिए— 10

   (i) श्वसनक ज्वर (Pneumonia)

   (ii) रोमान्तिका (Measles)

   (iii) छर्दि रोग (Vomiting)

   (iv) क्रिमिरोग (Worm Infestation)

3. कुपोषणजन्य रोगों के नाम लिखकर फक्क रोग के कारण, निदान एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए— 10

(i) रक्तपित्त।

(ii) बाल शोष।

(iii) क्षीरालसक।

(iv) जल शीर्षक।

(v) पारिगर्भिक।

5. बालकों की सामान्य परीक्षा विधि लिखते हुए दुष्टस्तन्यजन्य रोगों का वर्णन एवं चिकित्सा लिखिए। 10

M – 1989

B. A. M. S. (Third Prof.) (AYURVEDA)
EXAMINATION, 2012

कौमार भृत्य—II (बालरोग)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

ोट—**सभी** प्रश्न हल करें। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. आदिबलप्रवृत्त रोग की व्याख्या करते हुए बीजादोषज प्रमेह का विस्तृत वर्णन करें। 10

2. प्रसवकालीन व्याधियों का वर्णन करें। 10

3. "फक्क रोग" का आयुर्वेदीय एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन करें। 10

4. बालग्रहों के हेतु, लक्षण एवं भेदों का चिकित्सा सहित का वर्णन करें। 10

. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें— 10

(i) शय्या मूत्र।

P. T. O.

(ii) कुकूणक।

(iii) मृत्भक्षणजन्य पाण्डु।

(iv) कृमिदन्त।

(v) बालशोष।

N – 1589

B. A. M. S. (Third Prof.) (AYURVEDA) EXAMINATION, 2013

कौमार भृत्य – II (बालरोग)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट– सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. फक्क रोग का निदान, भेद, लक्षण, सम्प्राप्ति एवं चिकित्सापूर्वक वर्णन कीजिए। 10

2. संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए : 10

   (i) Primary complex

   (ii) Hydrocaphalus

   (iii) Dehydration - assessment and management

   (iv) Physiological jaundice.

P.T.O.

3. नाभिनाड़ी की संरचना एवं महत्व प्रतिपादित करते हुये असम्यक् नाभिनाड़ी कर्तनजन्य विकारों का वर्णन कीजिए। 10

4. बाल गृह से आप क्या समझते हैं ? नामोल्लेख करते हुये नैगमेष एवं शुष्क रेवती बाल गृह का वर्णन कीजिए। 10

5. संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए : 10

(i) मस्तुलुङ्गक्षय

(ii) क्षीरालसक

(iii) बालशोष

(iv) कृमिदन्त।

P – 1859

B. A. M. S. (Final Prof.)

EXAMINATION, Nov./Dec., 2014

Paper – II

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 50

नोट- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. क्षीरालसक का निदान-लक्षण-चिकित्सापरक वर्णन कीजिये। 20

2. अचेष्टित नवजात शिशु की परिचर्या उभयमतानुसार लिखिये। 20

3. फक्क रोग का निदान-सम्प्राप्ति-लक्षण भेद एवं चिकित्सापूर्वक वर्णन कीजिए। 20

4. बालग्रह का वैज्ञानिक विवेचन करते हुये शुष्क रेवती बाल ग्रह का वर्णन कीजिये। 20

5. संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए- 20
(i) Phototherapy 4
(ii) Pneumonia 8
(iii) उत्फुल्लिका। 8

R – 1825

B. A. M. S. (Final Prof.) (Old Course) EXAMINATION, 2015

Paper – II

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट- **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. जलशीर्षक रोग के कारण, लक्षण चिकित्सा का वर्णन आयुर्वेद व आधुनिक मत से करें। 10

2. फक्क रोग के भेद, लक्षण, व चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कर PEM का संक्षेप में वर्णन करें। 10

3. बालकों में कृमि रोग का विस्तृत वर्णन करें तथा मृद्भक्षण जन्य पाण्डु का वर्णन करें। 10

4. दुष्ट स्तन्यजन्य व्याधियों का वर्णन कर उनकी चिकित्सा लिखें। स्तन्यशोधक गण की 10 औषधियों का नामोल्लेख करें। 10

P.T.O.

(2) R - 1825

2×5=10

5. टिप्पणियाँ लिखे-

(i) शैशवीय पक्षाघात

(ii) ''पाणि पादस्य रमणीयता.......'' बालग्रह का वर्णन करें।

Roll No. ....

U – 1510

B. A. M. S. (Third Year) (New Course) EXAMINATION, 2018

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 50

नोट- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

भाग - 'क'

(*Part – A*)

1. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें-
Write short notes on following- 25

(a) कौमारभृत्य—परिभाषा एवं महत्व।
Definition and importance of Kaumarbhritya.

(b) लेहन के योग्य व अयोग्य।
Indications and contraindications of lehana.

(c) स्तन्य परिक्षा।
Examination of breast milk.

(d) शैशवीय रिफ्लेक्सेज।
Neonatal Reflexes.

(e) कुमारकल्याण रस घटक एवं प्रयोग।
Contents and uses of Kumarkalyana Rasa.

2. संक्षेप में वर्णन करें- 15
Describe in brief–

(a) दन्तोद्भेद।
Dentition.

(b) पोषण संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम।
National programmes related to nutrition.

(c) औषध मात्रा निर्धारण।
Drug dose determination in children.

3. शिशु के वृद्धि एवं विकास क्रम का विस्तारपूर्वक वर्णन करें। 10
Describe in detail about growth and development in children.

भाग - 'ख'

(*Part – B*)

4. टिप्पणियाँ लिखें- 25
Short notes–

(a) शुष्क रेवती।
Suskha Rewati.

(b) ओष्ठ भेद।
Cleft lip.

(c) समयपूर्व प्रसवित शिशु।
Preterm baby.

(d) अतिसार की चिकित्सा।
Management of diarrhoea.

(e) रिकेट्स के मुख्य लक्षण।
Main symptoms of Rickets.

5. संक्षेप में उत्तर दीजिए- 15
Answer in brief–

(a) मस्तिष्क घात।
Cerebral palsy.

(b) कृमि रोग।
Worm infestation.

(c) बालकों में उदरशूल।
Abdominal colic in children.

6. बालशोष एवं फक्क रोग का वर्णन उभयमतानुसार करें। 10
Describe in detail about Balashosha and Phakka Roga by ancient and modern view.

Roll No. ....

U – 1374

B. A. M. S. (Third Prof.)

EXAMINATION, 2018

Paper – II

KAUMARBHARITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट- **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नवजात शिशु कामला के निदान, लक्षण व चिकित्सा व्यवस्था का वर्णन करें। 10

2. जलशीर्षक व्याधि का आधुनिक मतानुसार विस्तार से वर्णन करें। 10

3. कुपोषण के कारणों एवं बचाव के उपायों का वर्णन करते हुए आयुर्वेद मतानुसार चिकित्सा का वर्णन करें। 10

4. बालातिसार व्याधि के लक्षण व चिकित्सा का वर्णन करते हुए जलाल्पता के निर्धारण का वर्णन करें। 10

P.T.O.

5. टिप्पणियाँ लिखिए (कोई चार)-
   (a) पारिगर्भिक
   (b) तालुकण्टक
   (c) खण्डौष्ठ व खण्डतालु
   (d) फक्क मेद
   (e) नाभिरोग।

L–1753

B. A. M. S. (Third Prof.) (AYURVEDA) EXAMINATION, 2011

KAUMAR BHARITYA–I

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट—सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. काश्यप संहिता का संक्षिप्त परिचय देते हुए आठों अंगों में कौमार-भृत्य की प्रधानता सिद्ध कीजिए। 10
2. नवजात शिशु परिचर्या का विस्तार से वर्णन कीजिए। 10
3. 'संस्कार' से आप क्या समझते हैं ? नामोल्लेख करते हुए नामकरण संस्कार एवं पुंसवन संस्कार का वर्णन कीजिए। 10
4. धात्री परीक्षा लिखते हुए स्तन्य दोषों के लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 10

P. T. O.

5. टि

(

(

(

(

(

5. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें— 2 + 2 + 2 + 2 +

(i) कुमारागार।

(ii) क्रीड़ा भूमि।

(iii) अपगार स्कोर (APGAR SCORE)

(iv) जातकर्म संस्कार।

(v) टीकाकरण (Immunization)

M – 1608

B.A.M.S. (Third Prof.) AYURVEDA EXAMINATION, 2012

KAUMAR BHARITYA – I

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट—सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कौमार-भृत्य की विशेषता, परिभाषा, महत्व लिखते हुए विभिन्न आचार्यों के मतानुसार वय-विभाजन लिखें। 10

2. कर्ण वेधन संस्कार एवं अन्नप्राशन संस्कार का विस्तार से वर्णन करते हुए स्तनपान का महत्व लिखिए। 10

3. बाल रोग परीक्षा विधि का विस्तार से वर्णन करें। 10

4. बालकों के वय भेदानुसार औषधि मात्रा निर्धारण का वर्णन करते हुए विभिन्न आचार्यों के मत लिखें। 10

5. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें— 2 + 2 + 2 + 2 + 2

(i) दन्तोद्भेदन।

(ii) नामकरण संस्कार।

(iii) स्तन्य शोधन के उपाय।

(iv) नाभिनालकर्तन विधि।

(v) लेहन के योग्य एवं अयोग्य।

5. टि

(a

(b

(

(

(

M – 1988

B. A. M. S. (Third Prof.) (AYURVEDA)

EXAMINATION, 2012

KAUMAR BHRITYA – I

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कौमार-भृत्य की परिभाषा एवं महत्व लिखते हुए काश्यप संहिता का विशेषाधिकार सिद्ध कीजिए। 10

सद्योजात शिशु की परिचर्या लिखते हुए कुमारागार का वर्णन कीजिए। 10

बाल रोग परीक्षा विधि का विस्तार से वर्णन करते हुए वयभेदानुसार औषधि मात्रा निर्धारण लिखें। 10

दन्तोद्भेदन प्रक्रिया का सविस्तार वर्णन करें। 10

संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें— 2 + 2 + 2 + 2 + 2

(i) स्तन्य परीक्षा।

P. T. O.,

(ii) अन्न प्राशन संस्कार।

(iii) धात्री परीक्षा।

(iv) स्तन्य शोधन प्रकार।

(v) सुश्रुत एवं काश्यपोल वय विभाजन।

N – 1588

B. A. M. S. (Third Prof.) (AYURVEDA) EXAMINATION, 2013

KAUMAR BHARITYA – I

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कौमार भृत्य का महत्व लिखते हुए काश्यप संहिता कौमारभृत्य का आधारभूत ग्रंथ है सिद्ध कीजिए। 10

2. जात कर्म संस्कार एवं कर्णवेधन संस्कार का वर्णन कीजिए। 10

3. वेदनाध्याय पर सारगर्भित लेख लिखिए। 10

4. एक वर्ष तक के बालक के शारीरिक वृद्धि एवं विकास का वर्णन कीजिए। 10

P.T.O

5. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें : 2+2+2+2+

(i) कुमारागार

(ii) स्तन्यपरीक्षा

(iii) जातमात्र

(iv) नाभिनालछेदन

(v) उपवेशन।

P – 1858

B. A. M. S. (Final Year)
EXAMINATION, Nov./Dec., 2014

Paper – I

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 50

नोट- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. लेहन से आप क्या समझते हैं ? स्वर्णप्राशन एवं किन्हीं पाँच लेहन योगों का उल्लेख कीजिये। 20

2. समय पूर्व प्रसवित (Pre term) नवजात शिशु को हाने वाली समस्याओं का उल्लेख करते हुऐ आधुनिक मतानुसार परिचर्या लिखिये। 20

3. अष्ट क्षीर दोषों का वर्णन करते हुये स्तन्य शोधन एवं स्तन्य वर्धन के उपायों पर आचार्य कश्यप के मत की विवेचना कीजिए। 20

4. बाल संस्कारों के चिकित्सीय महत्व को उद्घाटित करते हुये कर्णवेधन संस्कार का उल्लेख कीजिए। 20

5. संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए- 20

(i) Primitive Reflexes 5

(ii) Immunization schedule up to 1 year 5

(iii) TABC of Resuscitation 5

(iv) Weaning. 5

R – 1824

B. A. M. S. (Final Prof.) (Old Course) EXAMINATION, 2015

Paper – I

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट- **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. नवजात शिशु परिचर्या का वर्णन प्राचीन व आधुनिक मतानुसार करें। 10

2. दन्त सम्पत् का वर्णन करें तथा दन्तोद्भेदकालीन व्याधियों का वर्णन करें। 10

3. धात्री परिक्षा व कर्म का वर्णन करें तथा स्तनपान विधि प्राचीन व आधुनिक मतानुसार करें। 10

4. बालकों में औषध मात्रा निर्धारण के सिद्धान्तों का वर्णन करें। औषध मात्रा निर्धारण के सूत्रों का वर्णन करें। 10

5. टिप्पणियाँ लिखें-

(i) कुमारागार, क्रीडा भूमि

(ii) संस्कार एवं उनका महत्व।

2×5

Roll No. ....

U – 1373

B. A. M. S. (Third Prof.) EXAMINATION, 2018

Paper – I

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours

Maximum Marks : 50

Minimum Pass Marks : 25

नोट- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कौमार भृत्य की परिभाषा लिखते हुए काश्यप संहिता का महत्व प्रतिपादित करें। 10

2. नवजात शिशु परीक्षण विधि का वर्णन करते हुए अल्पभार शिशु परीक्षण एवं परिचर्या का वर्णन करें। 10

3. टिप्पणियाँ लिखें- 10

(i) कुमारागार

(ii) क्रीडनक

(ii) कुमाराधार

(iv) संस्कार (कर्णवेधन)

(v) नामकरण संस्कार।

4. टिप्पणियाँ लिखें- 10

(i) कामला

(ii) अतिसार।

5. बालक के वृद्धि एवं विकास क्रम का वर्णन करें। 10